

AK. ÇKDr.

श्रीकार्कण adj. VS. Prāt. 3, 128. nach Mañdh. mit einer gewissen, श्रीकृन् genannten Krankheit des Ohrs (कर्ण) behaftet, VS. 24, 24.

श्रीकारि (श्रीकृन् + अरि) m. *Ficus religiosa* L. ÇABDAK. im ÇKDr.

श्रीकाशत्रु m. = श्रीकाशत्रु ÇKDr.

श्रीकादर (श्रीकृन् + उ०) n. *Milzsucht, Spleen Sucht*. 1, 162, 21. 276. 4. 6. 2, 430, 6. WISE 337.

श्रीकादरिन् (vom vorherg.) adj. *milzsuchtig* Suçr. 2, 89, 8.

सु, स्रवते Naigh. 2, 14. Dhātup. 22, 62. 14, 40 (स्रव्; स्रव् 10, 10, v. 1.); पुल्ले; स्रवोष्ठ Schol. zu P. 7, 2, 1. 43. 8, 2, 27. स्रवोष्ठम् Schol. zu P. 8, 3, 78; स्रवोष्ठ Schol. zu P. 7, 2, 43. स्रवोष्ठम् Schol. zu P. 8, 3, 78. Aus metrischen Rücksichten auch act. 1) *schwimmen*: श्रद्धा यद्वाहू स्रवते सिन्धोः परे अपूर्णम् RV. 10, 133, 3. Einschiebung nach 7, 103. यथैव चिक्त्रा नैर्वन्धनातीरं तीरमुच्छ्रिता स्रवते Ait. Br. 4, 13. Çat. Br. 6, 1, 3, 3. Suçr. 1, 286, 5. स्रवते धर्मलघवो लोके ऽम्भसि यथा स्रवाः Spr. 1929. R. 2, 69, 9. मञ्जुलयावूनि शिलाः स्रवते MBh. 2, 2196. Hariv. 7877. Z. d. d. m. G. 14, 374, 12. 17. अश्वमानः स्रवति Shadv. Br. 3, 12. स्रवन्द्वा इवास्रवं (lies इवास्रवः) MBh. 3, 2765. 3, 12083. Kathās. 26, 122. *schwimmen* so v. a. *baden* MBh. 5, 3493. Ragu. 16, 60. *स्वमात्मानं स्रवमानम् sich badend* MBh. 14, 265. *schiffen*: अनुस्रोतः स्रवमानः MBh. 1, 4207. पुल्ले; Hariv. 8328. सागरं पुल्ले — नौकया *durchschiffte* MBh. 3, 12782. नैव ताम्यसि विद्वांसः स्रवतः पारमम्भसः *schiffen* zu 12, 10528. — 2) *hinundherschwanken, sich unsicher bewegen, schweben, fliegen*: कथा ते शब्दं विचक्रं स्रवते Ait. Br. 6, 30. स्रवत इव क्षयमङ्गैस्तिष्ठतीवात्मना Çat. Br. 12, 2, 4, 8. अथः स्रवत्यस्तिरिते MBh. 14, 269. वज्रम् — स्रवमानं जलैषिः 270. (सभा खे) स्रवमानेव दृश्यते 2, 386. स्रवमानमिवाकाशे 7, 1862. वाजिभिर्वायुमंकाशैः स्रवद्भिरिव पक्षिभिः Hariv. 5470. स्रवमानो हि खचैरा पदातिरनुधावसि MBh. 5, 2460. (यत्नाः) ज्वेन मरुवेगाः स्रवमाना विहायसा 3, 11767. *wehen*: पूर्वोत्तरे वायुः स्रवमानो यदृच्छया 3, 11070. 5, 817. स्रवति वायुः Varāh. Brh. S. 26, 5. *verfliegen, dahineilen*: व्यसः स्रवमानस्य v. l. für *पतमनस्य* Spr. 2723. — 3) *verschwimmen*: सोमाः सोमैर्व्यतिषक्ताः स्रवते Çat. Br. 11, 5, 5, 13. आपुवाना इव मरीचयः स्रवते 9, 4, 1, 8. — 4) *verschwimmen, von einem Vocale so v. a. in der Aussprache auseinandergezogen werden* RV. Prāt. 7, 2, 9, 1. — 5) *springen* (für diese Bed. ist प्र ursprünglicher) MBh. 8, 1778. कृत्तः पुल्ले (so ist zu lesen) गोपसूनुना sprang, hüpfte, tanzte Hariv. 3746. सुतवान् ebend. R. 4, 1, 10. स्रवमाना गिरिर्गिरिम् 11. निवेशनम्. वेष्म in's Haus 5, 12, 7. 59, 12. 6, 3, 17. पुल्ले; 5, 59, 7. स्रवतां श्रेष्ठाः 1, 31. 3, 77. 63, 3. 73, 35. 6, 14, 17. 17, 12. MBh. 10, 284. (मृगः) पुल्ले Bhāṭṭ. 3, 48. श्रेष्ठाष्ट 13, 16. (गजैः) कृष्टेष्ट पुल्ले (impers.) 14, 13. पुल्ले ऽहं मरुणावम् *ich sprang über's Meer* MBh. 3, 16255. R. 1, 1, 70 (75 Gorr.). 5, 3, 63. 70, 3. (तघ) स्रवतः सागरम् MBh. 3, 11227. पुल्ले तम् (वृत्तम्) *er sprang auf den Baum* R. 5, 16, 47. रथातूर्णं पुल्ले *herabspringen* 6, 2846. — partic. सुत 1) adj. a) *schwimmend in, gebadet, überschweimmt, übergossen mit, erfüllt von*: लोकं सुतामिवाम्भसि Suçr. 1, 118, 2. षडिनेरिपलैः सुतम् Çāṇḍ. Samh. 2, 4, 1. जगज्जलसुतम् Varāh. Brh. S. 5, 44. गङ्गाजलसुते तस्मिन्देहमस्मिन् R. Gorr. 1, 44, 17. गुणेषु तीर्थेषु सा सुताङ्गी (सासु०?) MBh. 5, 7352. ये चाश्वमेधावभृष्टे सुताङ्गाः 13, 4883. वेदात्तावभृष्टसुताङ्ग 2, 1908. मधुसुतेन पायसेन Viṣṇu bei

Kull. zu M. 3, 274. अन्नं धृतसुतम् Jāṇ. 1, 235. MBh. 12, 6384. 13, 3278. Bhāṭṭ. P. 3, 16, 8. रुधिरैषसुतैर्गात्रैः Hariv. 10475. स्वेदेद्विन्दुसुत (मारुत) Spr. 2629. अश्वसुतमुखो Pañkāṭ. 206, 24. रजःसुतः स्रष्टा Bhāṭṭ. P. 3, 10, 28. व्यसनार्णवसुता R. 4, 21, 38. अनुरागसुतकास Bhāṭṭ. P. 3, 2, 14. मन्यु० 4, 5, 11. श्यामानसुतानरम् Mārka. P. 63, 12. किञ्चित्कोपसुतानरम् 103, 13. Vgl. उद्०. — b) *verschommen, auseinandergezogen*, von einer best. Aussprache des Vocals Trik. 3, 3, 170. H. an. 2, 179. Med. t. 33. RV. Prāt. 1, 1, 6, 3, 26. 10, 13. VS. Prāt. 1, 38, 4, 88. 7, 2, 7. AV. Prāt. 1, 38, 62. 105. P. 1, 2, 27. 6, 1, 125. 129. 8, 2, 82. 106. Çrut. 3. Āçv. Çr. 3, 9, 7, 11. Çāṇḍ. Çr. 1, 1, 19. 42. 2, 2. M. 2, 123. MBh. 1, 3596. Ind. St. 8, 211. 227. लघुगुरुदुतसुतलक्षणानि von einem Tacte Verz. d. Oxf. H. 87, a, 14. — c) *geflogen*: गगनं gen Himmel R. 4, 58, 4. — d) *gesprungen, springend*: रयं प्रति MBh. 7, 1171. सुतः *er sprang* Hariv. 3552. सुतसुतेश्च तुरगैः 6404. 4011. — 2) n. *Sprung, springende Bewegung* MBh. 6, 2283. 3319 = 7, 4444. Hariv. 4282. 11048 (S. 791). क्रोडत्यः सुतवल्गितिः R. 1, 9, 14 (13 Gorr.). सुतपरिसुतगा दरिद्राः Varāh. Brh. S. 67, 116. वक्रसुता मृगाः Kathās. 27, 136. उदप्रसुतव (सारंगस्य) Çāṇ. 7. von einem best. Gange der Pferde AK. 2, 8, 2, 16. H. 1248. H. an. Med. अश्व Spr. 3637.

— caus. *स्रावयति* 1) *schwimmen lassen, überschweimmen, übergiessen, baden, abwaschen*: कृम्भम् Kāṭj. Çr. 10, 9, 1. उपस्यम् Gobh. 2, 1, 9. अश्वम् Kāṭj. Çr. 20, 2, 2. (भागीरथी) दक्षिणां वै दिशं सर्वा स्रावयन्ती च मातृवत् MBh. 3, 8648. (जलदाः) सर्वतः स्रावयत्यायु 12885. सागरोर्मिसमैर्वाणिः स्रावयन्निव शात्रवान् 5, 5744. 7, 3303. देवो स्रावयामास वारिणा 9, 2441. 12, 4183. (नगरोम्) समुद्रः स्रावयिष्यति 16, 171. 186. 217. Hariv. 303. 1418. 9166. मा स्रावयन्तु सलिलैः (तीर्थानि) 9325. 12401. 13548. R. 1, 37, 3. 42. 19 (43, 19 Gorr.). 5, 3, 39. Rāga-Tar. 4, 340. Hit. ed. Johns. 1524. Bhāṭṭ. P. 3, 11, 30. 13, 17. 4, 10, 27. 8, 24, 41. Mārka. P. 36, 6. 8. 10. 12. 14. 18. Pañkāṭ. 172, 5. 208, 12. Çāṇḍ. 14, 299. सर्ववर्णान् — अन्नपानरसैर्वा स्रावयामास *überschüttete* MBh. 13, 421. स्रावयस्व Hariv. 5789. स्रावयस्व त्वमात्मानम् (सलिले) R. 1, 44, 56. सगरस्यात्मज्ञा (so ist zu lesen) येन स्राविताः MBh. 13, 7130. R. 1, 44, 13 (43, 83. fg. Gorr.). गङ्गाम्बुस्रावित Hariv. 14431. हिमस्रावितसर्वाङ्ग 2601. उदीयः स्राविताशिपशर्क्कातिरङ्गम्भत Rāga-Tar. 3, 269. रुधिरस्रावितवत्पुंशुः Pañkāṭ. 122, 24. 217, 22. सुधास्रावितमिवात्मानं मन्यमानः 46, 16. (34, 24 ed. orn.). Bhāṭṭ. P. 8, 9, 25. ज्ञानं स्रावयते सर्वं यो ज्ञानं ह्यनुवर्तते *läutert* MBh. 12, 9686. *abwaschen* so v. a. *entfernen*: सैव पापं स्रावयति MBh. 13, 3112. स्राव्य च डुकृतम् 12, 10924. विश्वमूर्तेर्गुणकवया सुधया स्राविताहूतायः Bhāṭṭ. P. 3, 4, 27. — 2) *auseinanderziehen in der Aussprache* (einen Vocal) Āçv. Çr. 1, 3, 4. Çāṇḍ. Çr. 1, 2, 1. स्राविनेन स्वरेण Bhāṭṭ. P. 6, 1, 29. स्रावितैः रक्तकण्ठानां कूजितेश्च पत्राणाम् *der gezogene Gesang* 4, 6, 12. — 3) *springen lassen*: रानसं चाप्यपि स्रवन् Bhāṭṭ. 13, 42.

— desid. vom caus. *पिस्रावयिष्यति* und *पुस्रावयिष्यति* P. 7, 4, 81. Vop. 19, 15.

— intens. *umherschwimmen*: पोस्रयते कपाः Varāh. Brh. S. 27, c. 4. पोस्रयमानं सरसीव हंसम् R. 5, 11, 2. 2, 104, 9 (93, 10 Schl.).

— अनु *nachziehen, nachfolgen*: अनुस्रवते मेघाश्च MBh. 12, 3758. अनुस्रवति 6, 141. पश्चाधर्मं चरेत्सोभात्कामक्रोधावनुस्रवन् *nachgehend. sich*